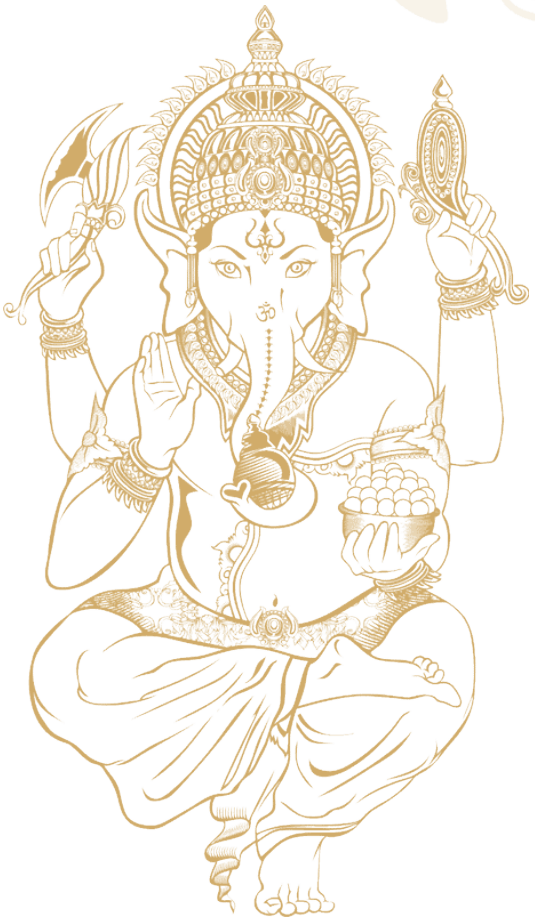

Archana

20 Nov 2025

07:59 PM

Hajipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120254704

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**20/11/2025**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**19:59:00 घंटे**
इष्ट	34:30:40 घटी
स्थान	**Hajipur**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:41:00 उत्तर
रेखांश	85:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:09:52 घंटे
वेलान्तर	00:14:24 घंटे
साम्पातिक काल	00:09:18 घंटे
सूर्योदय	06:10:43 घंटे
सूर्यास्त	16:58:52 घंटे
दिनमान	10:48:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	04:18:10 वृश्चिक
लग्न के अंश	18:39:47 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	अतिगण्ड
करण	किंस्तुघ्न
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नी-निष्ठा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:39:47	317:48:34	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			वृश्चि	04:18:10	01:00:35	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	07:47:07	11:52:02	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	नीच राशि
मंगल		अ	वृश्चि	17:24:47	00:43:56	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	स्वराशि
बुध	व	अ	वृश्चि	03:47:59	01:21:22	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
गुरु	व		कर्क	00:48:01	00:01:47	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			तुला	22:54:46	01:15:22	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	स्वराशि
शनि	व		मीन	00:59:21	00:00:49	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
राहु	व		कुंभ	21:08:28	00:14:09	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	21:08:28	00:14:09	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	05:15:52	00:02:31	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप	व		मीन	05:15:51	00:00:40	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
प्लूटो			मक	07:28:48	00:01:03	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			मीन	08:18:55	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:10

लग्न-चलित

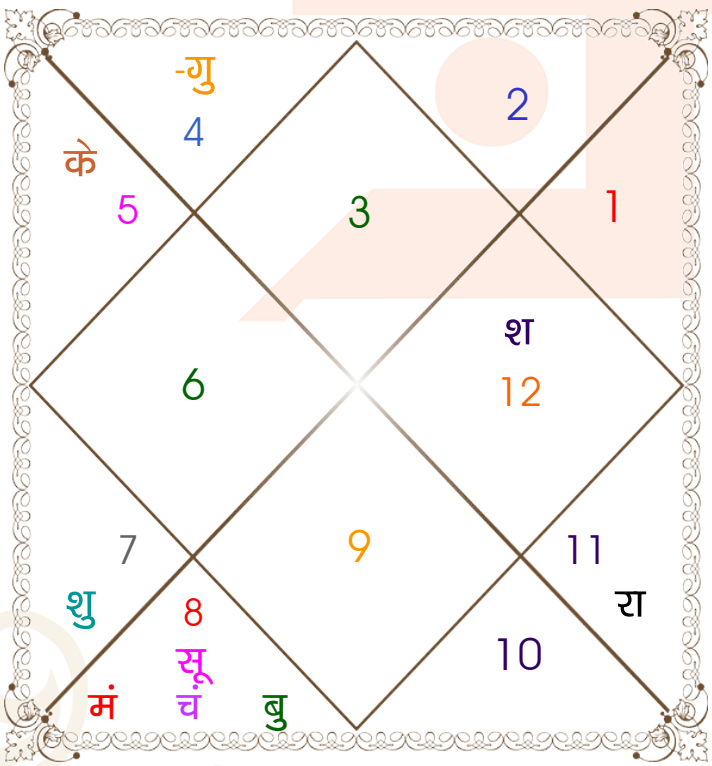

चन्द्र कुंडली

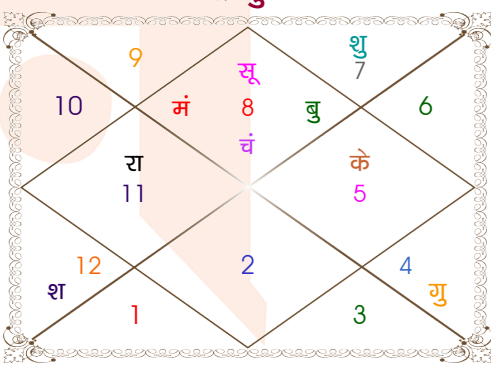

नवमांश कुंडली

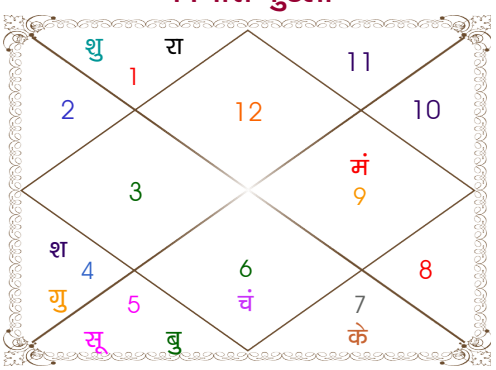

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 12 वर्ष 7 मास 26 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
20/11/2025		18/07/2038		18/07/2055		18/07/2062		18/07/2082	
18/07/2038		18/07/2055		18/07/2062		18/07/2082		17/07/2088	
	00/00/0000	बुध	14/12/2040	केतु	14/12/2055	शुक्र	16/11/2065	सूर्य	04/11/2082
	20/11/2025	केतु	11/12/2041	शुक्र	12/02/2057	सूर्य	17/11/2066	चंद्र	06/05/2083
केतु	09/05/2026	शुक्र	11/10/2044	सूर्य	20/06/2057	चंद्र	17/07/2068	मंगल	11/09/2083
शुक्र	08/07/2029	सूर्य	17/08/2045	चंद्र	19/01/2058	मंगल	16/09/2069	राहु	05/08/2084
सूर्य	20/06/2030	चंद्र	16/01/2047	मंगल	17/06/2058	राहु	16/09/2072	गुरु	24/05/2085
चंद्र	20/01/2032	मंगल	14/01/2048	राहु	06/07/2059	गुरु	18/05/2075	शनि	06/05/2086
मंगल	28/02/2033	राहु	02/08/2050	गुरु	11/06/2060	शनि	18/07/2078	बुध	12/03/2087
राहु	05/01/2036	गुरु	07/11/2052	शनि	21/07/2061	बुध	18/05/2081	केतु	18/07/2087
गुरु	18/07/2038	शनि	18/07/2055	बुध	18/07/2062	केतु	18/07/2082	शुक्र	17/07/2088

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
17/07/2088		18/07/2098		19/07/2105		19/07/2123		19/07/2139	
18/07/2098		19/07/2105		19/07/2123		19/07/2139		00/00/0000	
चंद्र	18/05/2089	मंगल	14/12/2098	राहु	31/03/2108	गुरु	05/09/2125	शनि	22/07/2142
मंगल	17/12/2089	राहु	02/01/2100	गुरु	24/08/2110	शनि	19/03/2128	बुध	31/03/2145
राहु	18/06/2091	गुरु	08/12/2100	शनि	30/06/2113	बुध	25/06/2130	केतु	21/11/2145
गुरु	17/10/2092	शनि	17/01/2102	बुध	18/01/2116	केतु	31/05/2131		00/00/0000
शनि	18/05/2094	बुध	14/01/2103	केतु	04/02/2117	शुक्र	29/01/2134		00/00/0000
बुध	17/10/2095	केतु	13/06/2103	शुक्र	05/02/2120	सूर्य	18/11/2134		00/00/0000
केतु	17/05/2096	शुक्र	12/08/2104	सूर्य	30/12/2120	चंद्र	19/03/2136		00/00/0000
शुक्र	16/01/2098	सूर्य	18/12/2104	चंद्र	01/07/2122	मंगल	23/02/2137		00/00/0000
सूर्य	18/07/2098	चंद्र	19/07/2105	मंगल	19/07/2123	राहु	19/07/2139		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 12 वर्ष 7 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।